Regarding unaccounted money recovered from residence of a Judge

श्री प्रवीण पटेल **(**फूलपुर**) :** माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपके प्रति धन्यवाद ज्ञापित करता हूं ।

मान्यवर, मुझे गर्व है कि मैं प्रयागराज जिले से आता हूं । मेरे निर्वाचन क्षेत्र में ही इलाहाबाद हाई-कोर्ट स्थित है, इसका भी हम लोगों को बड़ा गर्व है । निश्चित रूप से बड़ी निराशा हुई, क्योंकि हाल ही में दिल्ली हाई-कोर्ट के माननीय न्यायमूर्ति के घर में रुपए जलाने की खबरें आई थीं । उसके बाद माननीय जज साहब को इलाहाबाद हाई-कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया गया ।

इसको लेकर इलाहाबाद हाई-कोर्ट की बार एसोसिएशन से लेकर सारे अधिवक्ता और केवल इलाहाबाद हाई-कोर्ट ही नहीं, बल्कि 20 जनपदों के कोर्ट्स के अधिवक्ता आज आंदोलित हैं ।

माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से जरूर इस बात को कहना चाहता हूं कि न्यायपालिका हमारे संविधान का एक ऐसा स्तंभ है, जिसके प्रति लोगों का बड़ा अटूट विश्वास है । निश्चित रूप से ऐसा विश्वास जब टूटता है, तो लोगों के अंदर एक निराशा पैदा होती है ।

मान्यवर, आपके माध्यम से मैं जरूर इस बात को कहना चाहता हूं कि निश्चित रूप से ? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** श्री उम्मेदा राम बेनीवाल जी ? आप बोलिए ।